 Roll No. ....

I-2172

B.A. (First Semester)

Examination, Dec.-Jan., 2024-25

हिन्दी भाषा - 1

(AEC-03)

Time Allowed : Two Hours

Maximum Marks : 35

नोट : दिए गए प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं। खण्ड अ एवं ब के सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

खण्ड-अ

(वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न)

Q. 1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। **5×1=5**

सही उत्तर का चयन कीजिए :

(i) 'भारत वंदना' के रचनाकार हैं :

Scanned with OKEN Scanner

(अ) जयशंकर प्रसाद

(ब) रामधारी सिंह दिनकर

(स) महादेवी वर्मा

(द) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ii) 'भोलाराम का जीव' किस विधा की रचना है ?

(अ) उपन्यास

(ब) व्यंग्य

(स) निबंध

(द) आत्म कथा

(iii) महात्मा गाँधी का जन्म कब हुआ था ?

(अ) 2 अक्टूबर, 1869

(ब) 2 अक्टूबर, 1856

(स) 2 अक्टूबर, 1871

(द) 2 अक्टूबर, 1888

(iv) समास का विलोम है :

(अ) संधि

(ब) विच्छेद

(स) व्यास

(द) कृष्ण

(v) 'अधजल गगरी छलकत जाय' का अर्थ है :

(अ) अल्पज्ञ द्वारा गर्व प्रदर्शन

(ब) अत्यधिक बोलना

(स) संभल कर न चलना

(द) अपनी छोटी सी बात की प्रशंसा

Scanned with OKEN Scanner

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q. 2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **5×2=10**

(i) 'भारत वंदना' कविता का उद्देश्य लिखिए।

(ii) गाँधी जी ने आत्महत्या करने का निश्चय क्यों कर लिया था ?

(iii) पर्यायवाची शब्द की परिभाषा दीजिए।

(iv) लोकोक्ति की दो विशेषताएँ लिखिए।

(v) पारिभाषिक शब्दावली किसे कहते हैं ?

खण्ड-ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **4×5=20**

Q. 3. भारतमाता की शोभा वृद्धि के लिए कवि ने किन-किन उपादानों का उपयोग किया है ?

अथवा

'भोलाराम का जीव' के नामकरण तथा उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

Q. 4. 'चोरी और प्रायश्चित' निबंध से हमें क्या सीख मिलती है ?

अथवा

संधि की परिभाषा लिखते हुए प्रकारों को सोदाहरण समझाइये।

Q. 5. हिन्दी अशुद्धियों का वर्गीकरण करते हुए, उदाहरण की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पारिभाषिक शब्दों की आवश्यकता पर एक लेख लिखिए।

Q. 6. 'नई शिक्षा नीति 2020' पर एक निबंध लिखिए।

अथवा

निम्न गद्यांश का सारांश तथा उचित शीर्षक लिखिए :

Scanned with OKEN Scanner

"साहस की जिन्दगी सबसे बड़ी जिन्दगी है। ऐसी जिन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यह बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिन्ता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की अपेक्षा करके जीने वाला व्यक्ति दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रान्ति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ

अपनी ही किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिल्कुल अकेला होने पर भी मगन रहता है।"

Scanned with OKEN Scanner